Regarding need to address the problem of increasing human-animal conflict in Uttarakhand

श्री अनिल बलूनी **(**गढ़वाल**) :** माननीय सभापति जी**,** मैं आपके माध्यम से सरकार और मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूं । हमारे वन मंत्री आदरणीय भूपेन्द्र यादव जी यहां बैठे हुए हैं । मेरा उनसे भी आग्रह है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर जो गढ़वाल लोक सभा क्षेत्र है**,** उसमें पिछले कई दिनों से मैन-एनिमल कॉन्फ्लिक्ट अपने चरम पर है । माननीय सभापति जी**,** पिछले तीन हफ्ते के अंदर तेंदुए के हमले से चार लोगों की मौत हो गई है । पिछले कुछ दिनों से इसमें अचानक वृद्धि आई है । पिछले तीन हफ्ते में 15 से अधिक लोग घायल हुए हैं । भालू के हमले अचानक बढ़े हैं । इस मौसम में आम तौर पर भालू के हमले नहीं होते थे**,** लेकिन वे हमले भी तेजी के साथ हो रहे हैं ।

मान्वयर, लोग पहाड़ी इलाकों में बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर रहे हैं, क्योंकि बच्चों के ऊपर बहुत तेजी से हमले हो रहे हैं । वहां अंधेरा होते ही कर्फ्यू जैसी हालत हो रही है । वहां बहुत ज्यादा मेन-एनिमल्स कनफ्लिक्ट्स बढ़े हैं । भूपेन्द्र यादव जी यहां बैठे हैं । मेरा उनसे आग्रह है कि इसमें राज्य की मदद करनी चाहिए । वहां बहुत बड़ी मात्रा में संसाधनों की आवश्यकता है । हम लोगों को आधुनिक पिंजरों, ट्रैंक्विलाइजिंग इक्विप्मेंट्स, फौक्स गन्स जैसी बहुत सारी चीजों की आवश्यकता है । मेरा माननीय भूपेन्द्र यादव जी से आग्रह है कि डबल्यूआईआई की एक टीम तुरंत उत्तराखंड भेजी जाए । आखिर, वहां हमलों में इतनी तेजी क्यों आई है? ये सब जांच की जानी चाहिए । राज्य प्रशासन को बहुत सारे संसाधनों की आवश्यकता है, उसमें उसे मदद की जानी चाहिए ।

मान्यवर, जो लोग अपने परिजनों को खो रहे हैं, उनकी भारत सरकार या वन विभाग के द्वारा और क्या-क्या मदद हो सकती है, उसका ध्यान रखा जाना चाहिए । धन्यवाद ।